प्रातः क्लास 14-11-68 ओमशान्ति पिताश्री शिव बाबा याद है?

ओमशान्ति। मीठे2 रूहानी बच्चों प्रति रूहानी बाप समझा रहे हैं। रूहानी बाप को ही पतित-पावन कहा जाता है। वही पतितों को पावन बना सकते हैं। और कोई कब भी पावन बन नहीं सकते और सतयुग में ही पावन होते हैं। यथा राजा रानी तथा प्रजा। यहां सभी पतित ही हैं। पतित-पावन एक को ही कहा जाता है। तुम सभी स्टुडन्ट हो एक पतित पावन बाप के। यहां आये हो पतित से पावन बनने। ऐसे और कोई स्टुडन्ट होते ही नहीं। वह तो गंगा जी पर जाते हैं बुधि में पानी ही रहता है। ऐसे और कोई भी सतसंग में नहीं समझेंगे हम यहां पावन होने बैठे हैं। तुम बच्चे जानते हो पतित-पावन एक ही बाप है। यह भी पतित है। वह (विष्णु) है पावन। यह चित्र भी अनादि है। विष्णु से ब्रह्मा। ब्रह्मा से विष्णु। विष्णु पावन ब्रह्मा पतित। पतित ब्रह्मा से विष्णु पावन। इनको पावन नहीं कहेंगे। इनको पावन बनाने वाला तुमको सिखलाते हैं हे आत्मायें मेरे साथ योग लगाओ। और कोई सतसंग में किसकी बुधि में यह ख्याल भी नहीं होगा कि हम पावन बनते हैं। यहां बच्चों को यह शिक्षा मिलती है घर में बैठे भी अपने को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो। बाप डायरेक्शन देते हैं मामेकं याद करो। कहां भी जाओ अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो पावन बनने लिये। विलायत में भी रहते हैं ना। एक युगल जिन्होंने गन्धर्वी विवाह किया है और वहां उन्हों को यही धुन है पावन बन औरों को पावन बनावें। एमआब्जेक्ट ही यह है हमको यह देवता बनना है। क्योंकि तुम जानते हो ब्रह्मा से विष्णु। तो ब्रह्मा के तुम बच्चे भी ऐसे हो। ब्रह्मा कहेंगे तत त्वम्। तुम भी पवित्र बनते हो सो ना० बनने लिये। तुम भी कहेंगे बाबा आप जैसे ब्रह्मा सो ना० बनते हो, हम भी आप के बच्चे ब्राह्मण, बाबा को याद कर हम सो ना० बनते हैं। यह तो सहज है ना। यह भूलना न चाहिए। परन्तु माया भी पूरी युध करती है। वाकोसंग है ना। बाप कहते हैं कहां भी जाओ, लक्ष्य तो मिला हुआ है बाप को याद करना है। बाप आत्माओं को बैठ समझाते हैं। शरीर तो विनाशी है। यही सत्य है जिस में तुम बच्चों को रीयलाईज करना है मैं आत्मा हूं क्या हूं, कैसे हूं। यह भी बाप बैठ समझाते हैं। ऐसे बाप को ठिकर अमिमिर में डाल दिया है। तो खुद भी पत्थर बुधि ठहरे ना। फिर वह बेहद का बाप ही आकर पत्थर बुधि से पारस बुधि बनाते हैं। बाप जो बच्चों को समझाते हैं वह फिर धारण करना है। और कोई भी सतसंग आदि में ऐसे याद कोयाद नहीं करने देंगे। तुम जानते हो याद कोयादकरने से हम मनुष्य से देवता, पावन बनेंगे। पुरानी दुनिया खलास होती है नई दुनिया शुरु होती है। नई दुनिया के लिये तो जरूर देवतायें चाहिए ना। शास्त्रों में गपोड़ा लगा दिया है। सच्चा बाप ही सच्च बताते हैं। वह तो बाप को जानते ही नहीं। इसलिए आरफन बन पड़ते हैं। यह सभी बातें अभी तुम जानते हो विश्व में शान्ति स्थापनकरने। वहलोग कितना खर्चा करते हैं। धक्का खाते हैं विश्व में शान्ति के लिये। समझते हैं सभी आपस में मिल एक हो जाये। अभी तुम समझते हो हम सभी आत्मायें कैसे शान्तिधाम चली जावेंगी। हम भाई2 हैं। फिर हम आवेंगे नई दुनिया में पार्ट बजाने वहां विश्व में शान्ति रहती है। यहां तो विश्व में दुःख है ना। कितनी मारा मारियां आदि हैं। परन्तु पत्थरबुधि होने कारण यह भी नहीं जानते कि विश्व में शान्ति थी। बाप बैठ तुम बच्चों को सभी समझाते हैं ऐसे2 समझाओ। 5000वर्ष पहले विश्व में शान्ति थी। हरेक बात बुधि में चाहिए। परन्तु देह-अभिमान कारण भूल जाते हैं। भल अच्छे2 बड़े2 महारथी हैं परन्तु याद की यात्रा है नहीं तो पायन्टस सभी भूल जाते हैं। वास्तव में है बहुत सहज। आज से 5000वर्ष पहले पैराडाईज अथवा विश्व में शान्ति थी। अथवा स्वर्ग था। स्वर्ग में तो जरूर शान्ति ही होगी। वहां है ही एक धर्म। कोई भी कहे विश्व में शान्ति चाहते हैं बोलो विश्व में शांति चलो तो दिखावें। इनके राज्य में विश्व में शान्ति थी। अभी स्थापना हो रही है। एकदम संगम युग पर ले जाओ। बाबा यह भी कहते रहते हैं संगम युग को बहुत अच्छा प्रामिनेन्ट कर बनाओ। जो कोई भी देखे तो समझाओ इस तरफ है विश्व में शान्ति और इस तरफ है विश्व में अशान्ति। कपड़े पर वा रंगजीन पर बना —

हुआ चित्र होगा तो रोल कर कहां भी ले जा सकते हैं। यह है संगम। एक तरफ है शान्ति दूसरे तरफ है अशान्ति ऊपर में सभी आत्मायें रहती हैं वह तो है ही शान्तिधाम। कितना सहज है। चित्र ऐसा बना हुआ है हो जो मनुष्य देख चन्डर खावे हम जो विश्व में शान्ति के लिये इतना माथा मारते रहते हैं, यह बैबी तो बहुत बात सुनाती हैं। बाबा ने कहा है यह दो चित्र झा. त्रिमूर्ति गोला ही मुख्य है। इनमें सारी नालेज है। विलायत में भी तुम जाकर इस पर अच्छा समझा सकते हो। परन्तु इतना कोई निश्चय बुधि हिम्मत वाला एक भी न बना है। बाबा तो कहते हैं मैं कोई को भी भेज सकता हूं। अंग्रेजी तो सीखा हुआ हो ना चाहिए। साथ में इन्टरप्रेटर हो तो भी बहुत सर्विस कर सकते हैं। बोलो हम विश्व में शान्ति कैसे हो इसका रास्ता बताते हैं। अच्छे2 आफीसर्स को भी चटक लगाये सकते हो। नब्ज देखकर। नब्ज देखने से ही मालूम पड़ता है देखो इनका मेन= गाड फादर से लव है। फादर फादर से यह स्वर्ग का वरसा मिलता है। हैविन तो जरूर बाप ही स्थापन करेंगे ना। वह गाड फादर ही लिबरेट गाईड है। तो जरूर यहां आवेंगे तब तो गाईड करेंगे ना। वह इन-कारपोरीयल गाड फादर हमको हैविन में ले जाने का रास्ता बता रहे हैं। हम उस गाड फादर से मिलने जाते हैं। आफीसर झट छुट्टी दे देगा। क्योंकि यह है रूहानी ताकत। वह है जिस्मानी ताकत। माया में भी तो ताकत है ना। अल्पकाल का सुख दे सकते हैं। यह लोग जादू आदि बैठ दिखाते हैं तुम खुश होते हो। परन्तु वह कुछ भी नहीं हैं। अल्पकाल लिये सभी हैं। उनमें कोई भी ज्ञान नहीं। बाप तो ज्ञान का सागर है। आफीसर आदि को बैठ समझाओ तो वह भी कुर्बान जावें। बहुत तुमको रिगार्ड से देखे। भल आफीसर पने का नशा रहता है परन्तु अन्दर तुमको लव करेंगे। बोलो गाड फादर लिबरेटर गाईट कैसे बनेंगे। जरूर यहां आना पड़ेगा ना। ऊपर में सभी आत्मायें और बाप रहते हैं। सभी को भेज देते हैं पार्ट बजाने। यहां आते हैं तो सभी बाबा बाबा कहते रहते हैं। तुम जानते हो स्वर्ग में कोई भी बाप को याद नहीं करते। क्योंकि, वहां तो बाप से सुख का वरसा मिला हुआ है। बाप की याद आने की दरकार नहीं। फिर जब रावण राज्य में दुःखी होते हैं तब बाप को याद करते हैं। अभी तुम समझते हो कल बाबा ने हमको वरसा दिया था जो फिर रावण राज्य में गंवाय दिया। कल और आज की बात है। हम कल देवता थे। आज असुर हैं। आज असुर हैं फिर कल देवता बनेंगे। यह ब्रह्मा तो मनुष्य हैं ना। इनको देवता नहीं कहा जा सकता। देवतायें होते ही हैं सतयुग में। ब्रह्मा का भी आक्युपेशन चाहिए। ब्रह्मा को भी गुप्त कर दिया है तो शिव को भी गुप्त कर दिया है। न बाबा है न चोटी है। यह बड़ी महीन गुप्त बातें हैं। बाप भी गुप्त है ना। वही ज्ञान का सागर है जिसको ही चैतन्य बीज रूप कहा जाता है। वही आकर नालेज देते हैं। वह लिबरेटर भी है, पतित-पावन भी है। और की यह महिमा हो न सके। वह फादर भी है टीचर भी है गुरु भी है। यह कोई को भी पता नहीं है। कृष्ण कोटीचर कह न सके। वह तो खुद ही पढ़ते जाते हैं। वहां स्कूल में कैसे जाते हैं ऐरोपलेन में। यह भी तुम बच्चों को सा० कराया है। यह भी तुम जानते हो पहले नम्बर यह लक्ष्मी बनते हैं। बाबा कहते हैं हम जो बनते हैं मनुष्य से देवता तत त्वम्। तुम भी पढ़ते हो ना। निराकार बाप तुमको साकार में आये तुम बच्चों को बहुत सहज रीति युक्तियां बताते हैं। ऐसे कोई कब सिखला न सके। इनका नाम ही है सहज ज्ञान। विश्व का मालिक बनना कितना सहज है। सिर्फ कहते हैं अल्फ अल्ला को याद करो। अल्ला से जरूर नई दुनिया की बादशाही मिलेगी। सेकण्ड में जीवनमुक्ति कहा जाता है ना। देवता बनने में एक सेकण्ड लगता है। बाकी फिर ऊंच पद पाने लिये मेहनत करनी है। सिर्फ इसमें खुश नहीं होना है= हम तो स्वर्ग में जावेंगे। परन्तु स्वर्ग में क्या भी बनेंगे। नम्बरवार पोजीशन तो होंगे ना। ऊंच ते ऊंच महाराजा बनेंगे या कम। प्रजा का भी समझाया है जो सभी कुछ ट्रान्सफर करते हैं 21 जन्मों के लिये वह वह जरूर पद भी ऐसे पावेंगे। तुम सभी जो कुछ ट्रान्सफर करते हो ना। यहां एक बार ईश्वरीय बैंक में ट्रान्सफर किया वह फिर नई दुनिया में मिलना है। यहां तुम अविनाशी बैंक में जितना डालते हो वह बहुत जल्दी चढ़ जाती है। 21 जन्मों के लिये पूंजी बन जाती है। ---

यह तो समझते हो अभी विनाश होना है। सभी कुछ खत्म हो जावेगा। आगे चल बहुत सा० आदि होंगे। परन्तु कर क्या सकेंगे। बाप तो लेंगे नहीं। बाप कहते हैं मैं पक्का सराफ हूं। ऐसा थोड़े ही लूंगा जो हमारे काम भी न आये और भरकर देना पड़े। हरेक बात में नम्बरवन हूं। धोबी बैरीस्टर आदि सभी में एक ही हूं। सभी को दुःखों से छुड़ा देता हूं। वह जज आदि हद के फांसी देने से छुड़ाते हैं। मैं तो सभी काम बेहद का करता हूं क्योंकि मैं हूं ही बेहद का। तो ऐसे ऊंच ते ऊंच बाप को रिगार्ड भी देना है। ऊंच ते ऊंच भगवान है उनको फादर भी कहा जाता है। सभी आत्माओं का। उनकी मंदिर भी कितनी ऊंच बनाते हैं। अभी तुम समझते हो वह भगवान है वह देवता है। जिनका चित्र नहीं है वह है भगवान। वह देवतायें। यहां है मनुष्य। इन्हों को देवता बनाने वाला ऊपर में शिव बाबा है। शिव को पूजते हैं। शिवकाशी शिवकाशी कहते भी हैं। शि के मंदिर जहां तहां हैं। बाबा का सभी तरफ चक्र लगाया गया हुआ है। काशी में भी जाता था। वानप्रस्त में काशी वास करने लिये मनुष्य जाकर बैठते हैं। याद शिव को करते हैं परन्तु उनकी आक्युपेशन का पता नहीं है। शिव काशी विश्व नाथ गंगा। रात दिन यह रटते रहते हैं। आगे तो कुछ भी नहीं समझते थे। कोई समझता नहीं है तो कहते हैं तुम तो जैसे उल्लू हो। बेसमझ को उल्लू कहा जाता है। ज्ञान न है तो जैसे उल्लू हैं। उल्लूओं के झुण्ड है। अभी उल्लू को देखो देखो या अल्ला के बच्चे को देखो। अल्ला के बच्चे तो सभी यहां हैं। बाप तो कहेंगे हम तो अपने बच्चों को ही देखते रहें। बच्चे भी बाप को देखते रहे। नजर तो बच्चों पर ही पड़ती है। ज्ञान है ना सभी आत्मायें परन्तु यह बच्चे हमसे वरसा ले रहे हैं, पढ़ रहे हैं। तुमको देखने से बाप खुश होते हैं। बाहर वालों को देखकर इतना खुशी नहीं होगा। वह तो है ही बाहर के। वह तो उल्लू हैं, समझ तो रहती है ना। बाप देखते हैं यह बहुत अच्छा बच्चा है इनका अच्छा होना सम्भव है। इनमें इतनी अभेद नहीं नहीं है। यह बहुत अच्छी सर्विस करेंगे। पद भी जरूर अच्छा पावेंगे। इस दृष्टि से हरेक को देखते रहते हैं। इनमें आगे इतना दम न था। अभी दिन प्रति दिन पुरुषार्थ करते रहते हैं। माया भी बड़ी दुश्मन है। लड़ाई होती है ना। इस युध के मैदान को कोई जानते ही नहीं माया बड़ी प्रबल है। देहीअभिमानी बनने में बड़ी मेहनत लगती है। अच्छे2 योधे से भी माया से लड़ते2 पस्त हो जाते हैं। फिर सावधानी मिलने से चढ़ जाते हैं। बाहर में जाने से गंदे पड़ जाते हैं। विलायत में एक ही युगल अच्छा है जो वहां क्लास भी चला रहे हैं। वहां तो है अंग्रेजी पढ़ने वाले। अंग्रेजी मुरली अंग्रेजी मैगजीन उनके पास जाये तो कितने का कल्याण हो जाये। अगर कोई देहीअभिमानी पक्का हो तो बाबा के बचनों को झट पकड़ ले और अंग्रेजी में मैगजीन निकाल दे। परन्तु ऐसी अच्छे देहीअभिमानी तो कोई है नहीं। इंगलिश में ट्रान्सलेट करने में कोई देरी थोड़ेही लगती है। सारी मैगजीन इंगलिश में निकाले। उनको हजार ईनाम भी दे सकते हैं। ईनाम तो बाबा बैकुण्ठ की बादशाही देते हैं परन्तु आफरीन मिलती है ना। बहुत इंगलिश पढ़ेंगे। तो बहुतों को आशीर्वाद मिलेंगी। आजकल पायन्टस भी बहुत अच्छी निकलती है। मुख्य बात तो यह डालनी है विश्व में शान्ति कैसे, पैराडाईज कैसे स्थापन होता है। तो विलायत वाले देख कन्डर खावेंगे। फिर वहां विलायत में भी डाल सकते हैं। परन्तु ऐसी विशाल बुधि बाबा का राईट हैंड तो कोई है नहीं। सेन्सीबुल बच्चा हो, इंगलिश में बहुत होशियार हो तब लिख सके। विश्व में शान्ति तो कोई बड़ी बात है नहीं। तुम बन रहे हो। कल्प2 तुम करते हो। तो ऐसा अच्छा बन डालना चाहिए। जो कोई भी पढ़े तो मालूम पड़े। विश्व में शान्ति कैसे स्थापन हो रही है यह संस्था तो ठीक बताती है। क्योंकि वह सभी हैं शास्त्रों के आधार पर। जरूर कोई निकलेंगे जो अंग्रेजी में भी मैगजीन निकालेंगे। गुजराती में भी बन जावेंगे। हृदय पर सभी को मालूम पड़ जावेगा। बाप का परिचय तो चाहिए ना। बाप भी स्टेज पर आये हैं। सभी को वापस घर ले जावेंगे। यह बेहद का घर है। उनको कोई भी नहीं जानें। बाप ही नालेजफुल है। अच्छा मीठे2 सिकीलधे रूहानी बच्चों को रूहानी बाप बाबा का याद प्यार गुडमार्निंग। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।

*-******:-